UDYAM REGISTRATION NUMBER UDYAM-CG-11-0005844

कोयतुर टाइम्स LIVE

एक कदम समाज की ओर

16 सितम्बर 2024

आदिवासी मातृशक्ति तीजा मिलन समारोह सह प्रतियोगिता कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न

बिल्हा बिलासपुर: सर्व आदिवासी समाज परिक्षेत्र दक्षिण बिल्हा मातृशक्ति प्रभाग द्वारा आदिवासी मातृशक्ति तीजा मिलन समारोह सह प्रतियोगिता का आयोजन सांस्कृतिक भवन, बिल्हा में किया गया। इस कार्यक्रम में मेहंदी, हेयर स्टाइल, कुर्सी दौड़, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, आदिवासी सांस्कृतिक फैशन व रैंप वॉक, सुवा कर्मा सांस्कृतिक नृत्य आदि प्रतियोगिताएं रखी गईं। कार्यक्रम में लगभग 200 गांवों से 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। इस भव्य आयोजन की अध्यक्षता सुभाषिनी कमल मरावी जी ने की, जबकि उपाध्यक्षा सुनीता जगत, संगठन मंत्री अहिल्या नेताम जी, रामेश्वरी मरकाम, लता नेताम, पत्थरखान अध्यक्ष रामेश्वरी मरावी, नवागांव इकाई अध्यक्ष मीना नेताम, और इकाई गुमा अध्यक्ष सगनी उइके भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल में रूखमणी मरकाम, सुनीता चेचाम, वेदवती नेताम, रेखा ध्रुव, ललिता मरकाम, सरिता राज, रेखा मरकाम, और मृदुला उइके ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और बुढ़ा देव शैल चित्र से सम्मानित किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष भूपेंद्र मरकाम, जिलाध्यक्ष शिवनारायण चेचाम, युवा प्रभाग अध्यक्ष महासिंह नेताम, कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेश मरकाम, संरक्षक सुदऊ नेताम, राजू ध्रुव, कार्ति उइके, शिव सिदार, राकेश राज, अनिल मरकाम सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गंगाराम छेदैइहा ने किया, जबकि ढेलूराम ध्रुव, पौसरी चक अध्यक्ष संतोष ध्रुव, रहगी चक अध्यक्ष रामनाथ कतलम, मुरकुटा चक अध्यक्ष, सभापति प्रतिनिधि कमल किशोर मरावी, और अन्य स्थानीय नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

इस अवसर पर 200 गांवों से लगभग 1000 लोगों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी और आदिवासी मातृशक्ति तीजा मिलन समारोह सह प्रतियोगिता कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया

धनुवार समाज द्वारा आयोजित करम महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए, समाज को दी प्रेरणादायक दिशा निर्देश

कलमीटार: विगत 14 सितंबर 2024 को ग्राम कलमीटार (पहरिया) में धनुवार समाज द्वारा भव्य करम महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुझे समाज द्वारा आमंत्रित किया गया। वहां पहुंचने पर समाज के लोगों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया, जिसके लिए मैं धनुवार समाज का हृदय से आभारी हूं। करम महोत्सव के दौरान, मैंने समाज के लोगों के बीच करम महोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डाला। मैंने बताया कि यह पर्व क्यों और कैसे मनाया जाता है, और इसका धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व क्या है। इसके साथ ही, समाज के उत्थान और विकास के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

मैंने समाज को धर्म, कला, संस्कृति और शिक्षा के साथ-साथ आर्थिक क्षेत्र में भी सशक्त बनने की आवश्यकता बताई। इसके अलावा, अंधविश्वास को समाज से कैसे दूर किया जा सकता है, इस पर भी विस्तार से जानकारी दी। मेरी इन बातों को उपस्थित जनसमूह ने तहेदिल से दो बार सुना और सराहा। इस दौरान समाज के लोगों ने आग्रह किया कि मैं पुनः समाज को दिशा निर्देश देने के लिए आऊं, जिसे मैंने सहर्ष स्वीकार किया। अंत में, समाज के साथ पूरी रात तक संवाद के बाद मुझे विदा दी गई।

मैं क्षेत्र के समस्त आदिवासी समाज का आभार व्यक्त करता हूं और धनुवार समाज के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहने का आश्वासन देता हूं।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 सितंबर 2024

भानुप्रतापपुर के केवटी धान खरीदी केंद्र में 2 करोड़ रुपये के घोटाले का खुलासा, किसान परेशान

कांकेर छत्तीसगढ़: जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के केवटी धान खरीदी केंद्र में लगभग 2 करोड़ रुपये के घोटाले का मामला सामने आया है। यह घोटाला तब उजागर हुआ जब 2024 की खरीफ फसल के लिए खाद, बीज और नगद राशि लेने आए किसानों को पता चला कि उनके पिछले ऋण जमा नहीं हुए हैं। हालाकि, किसान पहले ही अपने ऋण की राशि केंद्र के ऑपरेटर अनिल टाडिया के पास जमा कर चुके थे और रसीद भी प्राप्त की थी।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा भानुप्रतापपुर की रिपोर्ट के अनुसार, 58 किसानों पर लगभग 17 लाख 95 हजार 131 रुपये का बकाया है, जिसके कारण उन्हें इस वर्ष का लोन नहीं मिल पाया। इस वित्तीय कठिनाई ने किसानों के लिए खेती को मुश्किल बना दिया है। किसानों ने इस मामले की शिकायत जिला सहकारी बैंक, एसडीएम, तहसीलदार, कलेक्टर और उप पंजीयक कांकेर से की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। केवटी लेम्पस के प्रबंधक मनोहर महावीर और ऑपरेटर अनिल टाडिया ने घोटाले की बात स्वीकार कर ली है और 25 अगस्त तक राशि लौटाने का लिखित आश्वासन भी दिया था, लेकिन अब तक रकम जमा नहीं की गई है।

2024 के धान खरीदी में भी लगभग 1 करोड़ रुपये की अनियमितताएं पाई गईं, जिसमें धान और बारदान की कमी देखी गई। इसके अलावा, 2022 में भी 65 लाख रुपये की धान की कमी का मामला सामने आया था, जिसमें कई अधिकारियों को जेल भेजा गया था।

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज द्वारा स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जांजगीर चांपा; छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज (इंजीनियर तरुण नेताम संरक्षक, सर्व आदिवासी समाज, जांजगीर चांपा) के मार्गदर्शन में समाज के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में गुजरात आदिवासी समाज के तरुण पटेल और उनकी टीम, जो पिछले 30 साल से समाज में स्वालंबन रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं, द्वारा रोजगार संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। डॉ. एस. एल. खैरवार (पशुपालन विभाग, जांजगीर चांपा) और संतोष जगत (संस्थापक, सेवा जोहार व्यापारी कल्याण समिति, छत्तीसगढ़) द्वारा बकरी पालन, पशुपालन, लघु उद्योग, उन्नत खेती, दूध डेयरी, पापड़, आचार, अगरबत्ती, मोमबत्ती, पेपर प्लेट और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

जो युवक-युवतियां बिजनेस के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं और इस प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर देकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 22 सितंबर है और प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर के बीच दो दिवसीय होगा। प्रशिक्षण स्थल की जानकारी पंजीयन के बाद दी जाएगा ! सम्पर्क के लिए नीचे दिए गए नम्बर से (संपर्क विभाग छत्तीसगढ़ - कंदर्प राज सिदार (उपाध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज, छत्तीसगढ़): 7723099769 - टुकेश्वर कंवर (महासचिव, सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, धमतरी): 9644969122 - दीपक उरांव (अध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, रायगढ़): +91 7389446525 - रूपेश नाग (मीडिया प्रभारी): 6263968199 शामि है ।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 सितम्बर 2024

मुख्यमंत्री श्री साय उज्जैन में स्व. श्री पूनमचंद यादव के तेरहवीं कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज उज्जैन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पूज्य पिता जी स्व. श्री पूनमचंद यादव के तेरहवी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर स्व. श्री पूनमचंद यादव जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 57 हजार श्रमिकों को 49.43 करोड़ राशि का डी.बी.टी. के माध्यम से करेंगे वितरण

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका सीधा लाभ श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को मिल रहा है। उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 'श्रमिक सम्मेलन' में 57 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को 49 करोड़ 43 लाख 52 हजार 294 रूपए केन्द्रीकृत डी.बी.टी. के माध्यम से वितरण करेंगे। यह सम्मेलन राजधानी के इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा के कृषि मंडपम में आयोजित होगा।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 47 हजार 726 निर्माण श्रमिकों 38 करोड़ 37 लाख 10 हजार 652 रूपए, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 6873 श्रमिकों को 9 करोड़ 86 लाख 58 हजार 500 रूपए एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 2496 श्रमिकों को 1 करोड़ 19 लाख 83 हजार 142 रूपए की राशि डी.बी.टी. के जरिए वितरण करेंगे। इस तरह कुल 57 हजार 95 श्रमिकों को कुल राशि 49 करोड़ 43 लाख 5 हजार 229 रूपये का वितरण केन्द्रीयकृत डी.बी.टी. के माध्यम से किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ईद-मिलादुन्नबी की दी मुबारकबाद

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुस्लिम भाईयों सहित प्रदेशवासियों को पैगम्बर साहब के जन्मदिवस ईद-मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी है। इस पवित्र मौके पर उन्होंने देश-दुनिया में अमन-चैन और लोगों की खुशहाली की कामना की है।

कोया पुनेम् गोंडवाना महासभा का ऑनलाइन वेभिनार
आज 16 सितम्बर 2024
को गूगल मीट पर रात 08 बजे से

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 सितम्बर 2024

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ को मिलीं 240 ई-बसें

रायपुर छत्तीसगढ़: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक परिवहन के लिए 240 ई-बसों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन बसों का संचालन राजधानी रायपुर सहित बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई में किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों मंस सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पीएम ई-बस सेवा योजना प्रारंभ की गई है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा रायपुर के लिए 100, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई के लिए 50-50 तथा कोरबा के लिए 40 ई-बसें स्वीकृत की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन सेवा की इस अभिनव योजना में केंद्र सरकार द्वारा शहरों को बसों की खरीद तथा उनके संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसका एक बड़ा हिस्सा शहरों में बस डिपो जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए भी खर्च किया जाएगा। योजना के अंतर्गत तीन तरह की बसें स्टैंडर्ड, मीडियम और मिनी चलाई जाएंगी। विभिन्न राज्यों में शहरों की जनसंख्या के आधार पर बसों की संख्या निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि ई-बस सेवा प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ के शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण का संरक्षण होगा। कम ऊर्जा खपत और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ ही नागरिकों को आरामदायक आवागमन की सुविधा सुलभ होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि भारत सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना राज्यों को मिलने वाली केंद्रीय सहायता को पारदर्शिता और उनके प्रदर्शन से जोड़ने की कोशिश का हिस्सा है। इसे शहरों में मेट्रो के विकल्प या उसके सहयोगी साधन के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिले। योजना के तहत शहरों को जनसंख्या के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। 20 लाख से 40 लाख तक की आबादी वाले शहरों को 150, दस से बीस लाख और पांच से दस लाख तक की आबादी वाले शहरों को 100-100 तथा पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों को 50 ई-बसों की पात्रता है। इसके आधार पर रायपुर को 100 मीडियम ई-बसों, दुर्ग-भिलाई को 50 मीडियम ई-बसों, बिलासपुर को 35 मीडियम और 15 मिनी ई-बसों तथा कोरबा को 20 मीडियम एवं 20 मिनी ई-बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

पीएम ई-बस सेवा योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार बसों का क्रय तथा संचालन एजेंसी का चयन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। एजेंसी को केंद्रीय सहायता सुनिश्चित किलोमीटर संचालन के आधार पर दी जाएगी। अगर बसें इससे कम किलोमीटर चलती हैं तो केंद्रीय सहायता उसी के अनुपात में कम हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा शहरों के प्रदर्शन के आधार पर पैसा दिया जाएगा। पीएम ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत हर तीन महीने में बसों के संचालन का हिसाब-किताब देना होगा। योजना की सामान्य शर्तों में यह भी शामिल है कि प्रोजेक्ट के तहत दिए जाने वाले पैसे का थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य होगा, ताकि पूरी पारदर्शिता रहे।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए नये मार्गों पर चलेंगी यात्री बसें

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा यात्री सुविधा के विस्तार एवं सुगम यातायात हेतु 17 वर्षों के बाद दोनों राज्यों के विभागों की पहल पर विगत 11 सितम्बर, 2024 को मध्यप्रदेश के मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल में बैठक आयोजित की गई। मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस बैठक में श्री एस. एन. मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से श्री एस. प्रकाश, सचिव, परिवहन विभाग सह परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ की उपस्थित में हुई।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 अगस्त 2024

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर,चांपा: छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान विकास भारद्वाज, निवासी बोरसी, के रूप में की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती और विकास भारद्वाज के बीच जान-पहचान थी और दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती थी। इस दौरान विकास ने शादी का वादा करते हुए युवती के साथ दुष्कर्म किया। बाद में जब पीड़िता ने शादी की बात की तो विकास ने टालमटोल करना शुरू कर दिया।

पीड़िता ने मामले की शिकायत पामगढ़ थाने में दर्ज कराई। पुलिस को विकास भारद्वाज के बोरसी गांव में मौजूद होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान विकास ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

दंतेवाड़ा में 6 महीने के बच्चे का अपहरण: आदिवासी समाज ने किया जिला बंद, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

दंतेवाड़ा: छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के पोंदुम गांव में 1 सितंबर 2024 को 6 महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया गया, जिसके बाद आदिवासी समाज ने जिले में बंद का आह्वान किया है। घटना के अनुसार, दो युवक बाइक पर सवार होकर गांव पहुंचे और बच्चे के पिता को शराब लाने भेजकर झूले से बच्चे को उठाकर फरार हो गए।

इस घटना के विरोध में आदिवासी समाज ने दंतेवाड़ा, गीदम, कटेकल्याण और बचेली ब्लॉकों में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवा दिए हैं। हालांकि, मेडिकल सेवाएं चालू हैं और यात्री वाहन भी चल रहे हैं। व्यापारी संगठन ने भी बंद को समर्थन दिया है।

आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष महादेव नेताम ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचित किया गया था, लेकिन पुलिस ने उचित कार्रवाई नहीं की। FIR अगले दिन दर्ज की गई, जिसके चलते समाज में आक्रोश है। समाज ने मांग की है कि पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और जल्द से जल्द मामले को सुलझाया जाए, अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दंतेवाड़ा SP गौरव राय ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीमेंट की कीमतों में बढ़ोतरी पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

जगदलपुर: सीमेंट के दामों में 50 रुपए की बढ़ोतरी के खिलाफ गुरुवार को कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ एकदिवसीय धरना दिया। यह प्रदर्शन सिरहासार चौक पर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जुटे। शहर जिलाध्यक्ष सुशील मौर्य ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि सीमेंट की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि कर नेता अपनी जेबें भर रहे हैं। कांग्रेस ने राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप कर सीमेंट के दाम घटाने की मांग की है।

दाई ओ दीदी ओ पढ़ना लिखना है जरूरी गीत ने बांधा समां भोपाल की धरती पर छत्तीसगढ़ महतारी का वंदन

रायपुर छत्तीसगढ़: भोपाल में आयोजित उल्लास के रीजनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने हर कार्य में बेहतर प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जहां एक ओर नवाचारी गतिविधियों की बेहतर प्रस्तुति दी गई, जिसमें कठपुतली इत्यादि को संजोकर छत्तीसगढ की प्रदर्शनी लगाई गई। शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षक ने चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर उपाय बताएं वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी छत्तीसगढ़ छाया रहा। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी, एनसीईआरटी नई दिल्ली की एनसीएल प्रभारी प्रोफेसर उषा शर्मा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण व राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़ के डायरेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा के कुशल नेतृत्व में दो दिवसीय उल्लास क्षेत्रीय सम्मेलन रीजनल कॉन्फ्रेंस NITTTR भोपाल में आयोजित कियागया। श्री कटारा ने छत्तीसगढ़ में उल्लास कार्यक्रम की प्रगति से संयुक्त सचिव श्रीमती अवस्थी को अवगत कराया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण में उल्लास कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी कार्यक्रम में प्रोजेक्टर के द्वारा छत्तीसगढ़ में उल्लास में किए गए कार्यों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस को बताया। प्रस्तुतिकरण में साक्षरता चौक साक्षरता रथ साक्षरता ताली स्थानीय संसाधनों से पढ़ने के नए-नए तरीके के साथ यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम चरण में 10 लाख असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य दिया गया है, उसमें से 75 प्रतिशत नाम उल्लास पोर्टल में दर्ज कर लिया गया है।

एससीईआरटी एससीएल प्रकोष्ठ प्रभारी डेकेश्वर प्रसाद वर्मा ने बताया कि उल्लास प्रवेशिका को छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय संदर्भ लोक संस्कृति, लोक कला को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के 16 स्थानीय भाषाओं में उल्लास गीत पुस्तक एवं ऑडियो निर्माण किए गए है।छत्तीसगढ़ तथा अन्य प्रदेशों के सेल्फ टीचिंग लर्निंग मटेरियल स्टॉल लगाए गए थे । छत्तीसगढ़ का स्टॉल आकर्षक रहा ओर सभी अतिथियों ने किए गए कार्यों की सराहना की। छत्तीसगढ़ राज्य के लिए यह क्षेत्रीय सम्मेलन विशेष रहा है रायपुर की जिला परियोजना अधिकारी डॉ कामिनी बावनकर के संयोजन में छत्तीसगढ़ की टीम ने सेल्फ टीचर लर्निंग मटेरियल को तैयार करके मंच पर बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। जिसकी सभी राज्यों ने प्रशंसा की। संचालक श्री कटारा के आतिथ्य में सांस्कृतिक संध्या के प्रतिभागियों को अंग वस्त्र एवं पौधा भेंट किया गया।

भोपाल की धरती पर छत्तीसगढ़ महतारी का वंदन गीत पर शानदार नृत्य निर्जला धीवर, स्वयंसेवी शिक्षक एवं छत्तीसगढ़ के सरगुजा नृत्य हाय रे सरगुजा नाचे... गीत के नृत्य में, हेम धर साहू एवं ग्रुप ने सभी प्रतिभागियों को झूमने पर मजबूर किया । सांस्कृतिक संध्या मेंठछत्तीसगढ़ के बैगा संस्कृति व वेशभूषा से बीएड कॉलेज के छात्र अध्यापकों ने सभी को प्रभावित किया। छत्तीसगढ़ लोक संस्कृति के परिधान में साक्षरता के लिए किए गए कार्यों से लोग प्रभावित हुए और क्षेत्रीय सम्मेलन में अमिट छाप छोड़ी। छत्तीसगढ़ के स्वयंसेवी शिक्षकों, नव साक्षर, शिक्षार्थी ने साक्षर बनाने में आ रही चुनौतियो को बताते हुएठ उल्लास में किए गए कार्यों की सफलता की कहानी बताई। स्वयंसेवी शिक्षकों की नवाचारी गतिविधियां कठपुतली के माध्यम से "दीदी ओ दाई ओ पढ़ना लिखना है जरूरी....." जैसे गीतों के साथ स्वयं सेवी शिक्षकों, नव साक्षर, शिक्षार्थी में आत्मविश्वास बना रहा। शिक्षक तस्कीन खान ने बताया कि वह शिक्षार्थियों को कक्षा में जोड़ने के लिए मुस्लिम होने के बावजूद रामचरितमानस सुनाकर रामायण पढ़ने की ललक जगाकर शिक्षार्थियों को पढ़ने की ओर प्रेरित किया।जन जन साक्षर... जय अक्षर का संकल्प लेते हुए छत्तीसगढ़ की टीम ने अपनी उपलब्धियां से दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। लोगों ने कहा छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

इस अवसर पर राज्य शिक्षा केंद्र के डायरेक्टर श्री हरजिंदर सिंह, शिक्षा मंत्रालय की सलाहकार सुनीता चौहान श्रीमती बानी बोरा, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के नियंत्रक राकेश दुबे, सिद्धांत ज्योति, किरण खलको निर्जला धीवर, श्रुति तिवारी, शालिनी, प्रतिमा शिक्षार्थी एवं नव साक्षर सुमंती तिग्गा, धनराजी तिग्गा, श्यामापति का विशेष योगदान रहा।

UDYAM REGISTRATION NUMBER UDYAM-CG-11-0005844

KOYTUR TIMES
WWW.KOYTURTIMES.COM

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
CONTACT $ WHATSAPP NO .
8878810101
KOYTURTIMES@GMAIL.COM

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 सितम्बर 2024

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में जनजातीय गौरव दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रायपुर छत्तीसगढ़ : स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू), भिलाई के तत्त्वावधान में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर में जनजातीय गौरव दिवस के निमित्त एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को सामने लाना है। कार्यक्रम का आयोजन रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती (5 अक्टूबर) और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती (15 नवंबर) को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिसके अंतर्गत पूरे राज्य में 5 अक्टूबर से 15 नवंबर तक 40 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत, उनके सामाजिक मूल्यों और स्वतंत्रता आंदोलनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका को समाज के सामने लाया जाएगा।

इस कार्यशाला में राज्यभर के विभिन्न इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निकल एवं आईटीआई संस्थानों के समन्वयक एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा थे। मुख्य प्रशिक्षक एवं वक्ता के रूप में बस्तर से आए श्री रामनाथ कश्यप और सामाजिक कार्यकर्ता श्री वैभव सुरंगे ने जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलुओं पर गहन प्रकाश डाला। कार्यक्रम स्थल पर जनजाति नायकों की सुंदर प्रदर्शनी भी लगाई गई जो विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के बीच में आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर सीएसवीटीयू के कुलपति प्रो. एम. के. वर्मा, वनवासी विकास समिति के प्रांत अध्यक्ष श्री उमेश कच्छप, रजिस्ट्रार प्रो. अंकित अरोड़ा, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.आर. खान, डॉ अनुराग जैन प्रांत सचिव वनवासी विकास समिति, टेक्निकल एजुकेशन के उप संचालक और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजीव शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनजाति छात्राओं द्वारा आकर्षक स्वागत नृत्य की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम में सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग से बड़ी संख्या में अध्येताओं और छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1070.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर छत्तीसगढ़: राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1070.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 15 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2280.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 554.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 982.4 मिमी, बलरामपुर में 1444.0 मिमी, जशपुर में 853.1 मिमी, कोरिया में 962.0 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 979.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 908.9 मिमी, बलौदाबाजार में 1122.1 मिमी, गरियाबंद में 1015.6 मिमी, महासमुंद में 851.4 मिमी, धमतरी में 975.4 मिमी, बिलासपुर में 931.0 मिमी, मुंगेली में 1044.8 मिमी, रायगढ़ में 956.8 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 623.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1129.4 मिमी, सक्ती 948.4 मिमी, कोरबा में 1307.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1091.7 मिमी, दुर्ग में 629.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 849.3 मिमी, राजनांदगांव में 1074.1 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1195.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 813.5 मिमी, बालोद में 1126.3 मिमी, बेमेतरा में 569.8 मिमी, बस्तर में 1219.8 मिमी, कोण्डागांव में 1115.4 मिमी, कांकेर में 1360.0 मिमी, नारायणपुर में 1337.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 1462.8 मिमी और सुकमा जिले में 1620.0 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

कोयतुर टाइम्स

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

16 सितम्बर 2024

चक्रधर समारोह-2024 : क्लासिकल आर्ट को बनाए रखने में योगदान दें : जस्टिस श्री संजय अग्रवाल

रायपुर छत्तीसगढ़: सुर-ताल, लय तथा छंद और घुंघरू के संगीतबद्ध 39 बरस के इस चक्रधर समारोह में आज आठवें दिन मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता और सतना सहित रायगढ़ घराना के कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और शास्त्रीय गायन ने रसिकजनों व दर्शकों को मत्रमुग्ध कर दिया। इन कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत से पिरोए हुए गणपति अराधना, शिववंदना, राधा-कृष्ण के रासलीला और कृष्ण व सखा के माखन चोरी की बेजोड़ एवं जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर होने पर मजबूर कर दिया। वहीं रायगढ़ घराना के कथक की शानदार प्रस्तुति ने समारोह में विशेष छटा बिखेरा।

चक्रधर समारोह में शामिल हाईकोर्ट जस्टिस श्री संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्लासिकल आर्ट धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। क्लासिकल आर्ट को बनाए रखने के लिए हमें योगदान देने की जरूरत है। कार्यक्रम के माध्यम से मंच देकर क्लासिकल आर्ट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में रायगढ़वासियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अनुभव और एनर्जी से कला को और आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं और बधाई भी दी। समारोह में हाई कोर्ट जस्टिस श्री संजय अग्रवाल, सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जितेंद्र कुमार जैन, कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल, एसपी श्री दिव्यांग पटेल ने मुंबई की भरतनाट्यम कलाकार श्री कृष्णभद्रा नम्बूदरी, मणिपुरी नृत्यांगना सुश्री पौशाली चटर्जी तथा शास्त्रीय गायक श्री विनोद मिश्रा को सम्मानित किया।

कोलकाता की पौशाली चटर्जी ने राधा-कृष्ण होली, कृष्ण और सखा के माखनचोरी को मणिपुरी नृत्य के माध्यम से दर्शकों के सामने पेश की। वहीं मुंबई की प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार सुश्री कृष्णभद्रा नम्बूदरी ने दक्षिण भारत के मंदिरों में प्रस्तुत गणेश वंदना को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया। कार्यक्रम में सतना से आए विख्यात संगीतकार श्री विनोद मिश्रा ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। इसी तरह डॉ.रघुपतरुनी श्रीकांत के नेतृत्व में गणपति और शिव वंदना, विवाह के अवसर को बहुत ही द्रुत गति से भावभंगिमाओं के साथ कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर लगातार देखने को मजबूर किया। इसी तरह कथक नृत्य के साथ नृत्यांगनाओं ने भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से मंच पर खुशबू बिखेरी। शिव की उपासना और कृष्ण रास लीला से माहौल भक्तिमय हो गया। नन्हीं कलाकारों ने अपने नृत्य कौशल से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

चक्रधर समारोह के आठवें दिन रायगढ़ के कलाकारों ने मंच पर प्रथम प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम सुश्री अनन्ता पाण्डेय और शाश्वती बनर्जी ने कथक नृत्य कर खूब तालियाँ बटोरी। शाश्वती बनर्जी ने शिव की उपासना को अपने नृत्य में प्रस्तुति दी। इसी सुश्री तब्बू परवीन के नेतृत्व में उनकी शिष्याओं ने कथक को कृष्ण रासलीला के रूप में बहुत ही सुंदर रूप में मंचन किया। नन्हीं कलाकारों ने अपनी खूबसूरती से दर्शकों को अपनी ओर बांधे रखा। सभी ने इस रासलीला की प्रशंसा की। इन सभी कलाकारों का अभिनंदन राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ स्वागत-सम्मान किया।

कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति में रायपुर की कथक कलाकार सुश्री संगीता कापसे, गीतिका चक्रधर और राधिका शर्मा ने मंच पर रामलला के जीवन दर्शन को नृत्य में प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति में मुंबई की प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार सुश्री कृष्णभद्रा नम्बूदरी ने दक्षिण भारत के मंदिरों में प्रस्तुत गणेश वंदना को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया। उन्होंने तकनीकी टीम के सहयोग से भाव भंगिमाओं के साथ आकर्षक भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। कोलकाता की सुश्री पौशाली चटर्जी ने आकर्षक वेशभूषाओं में अपनी सहयोगियों के साथ मणिपुरी नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। उन्होंने राधा-कृष्ण और गोपियों के साथ होली खेलने के भाव को जीवंत किया। पौशाली चटर्जी ने कृष्ण के बाल रूप को मंच पर माखनचोरी के दृश्य को मणिपुरी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। सुश्री चटर्जी ने अपनी सहयोगियों के साथ मृदंग वादन और हाथों की तालियों को बहुत ही लयबद्ध ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने वृंदावन का वर्णन और दशावतार को नृत्य में प्रस्तुत किया। नृत्यांगना पौशाली के साथ उनकी वरिष्ठ शिष्याएँ-श्रीपर्णा सरकार, मौमिता हाजरा, अंकिता घोराई और रन्ना मजूमदार और तन्मना रॉय और सुवरा भौमिक, झिनुक रॉय चक्रवर्ती ने प्रस्तुति दी। सतना से आए विख्यात संगीतकार श्री विनोद मिश्रा (खयाल और ठुमरी ग्वालियर घराना) ने रागमाला, शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने मान जाओ सैंया..आ जा बलम परदेश... जैसे गीत अपने अंदाज में प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति को श्रोताओं ने तन्मयता से सुना।

श्रीकाकुलम से आये कुचिपुड़ी के नृत्यांगनाओं ने संगीत के धुनों में अपने आपको आत्मसात करते हुए बहुत ही शानदार सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। डॉ.रघुपतरुनी श्रीकांत के नेतृत्व में गणपति और शिव वंदना, विवाह के अवसर को बहुत ही द्रुत गति से भावभंगिमाओं के साथ कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर लगातार देखने को मजबूर किया। शिवशक्ति उपासना का उनका यह नृत्य मनमोहक भी बना। गणतंत्र दिवस समारोह नई दिल्ली में भी कुचिपुड़ी का प्रदर्शन कर चुके कलाकारों ने दर्शकों की खूब वाहवाहियां बटोरी। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति में दिल्ली से आए आलोक श्रीवास ने अपने प्रत्यंग का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए अपने मनमोहक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान उनके साथ पढंत में श्री भूपेंद्र बरेठ, गायन में साहिल सिंह, तबला में देवेंद्र श्रीवास तथा सारंगी में शफीक हुसैन ने साथ दिया।

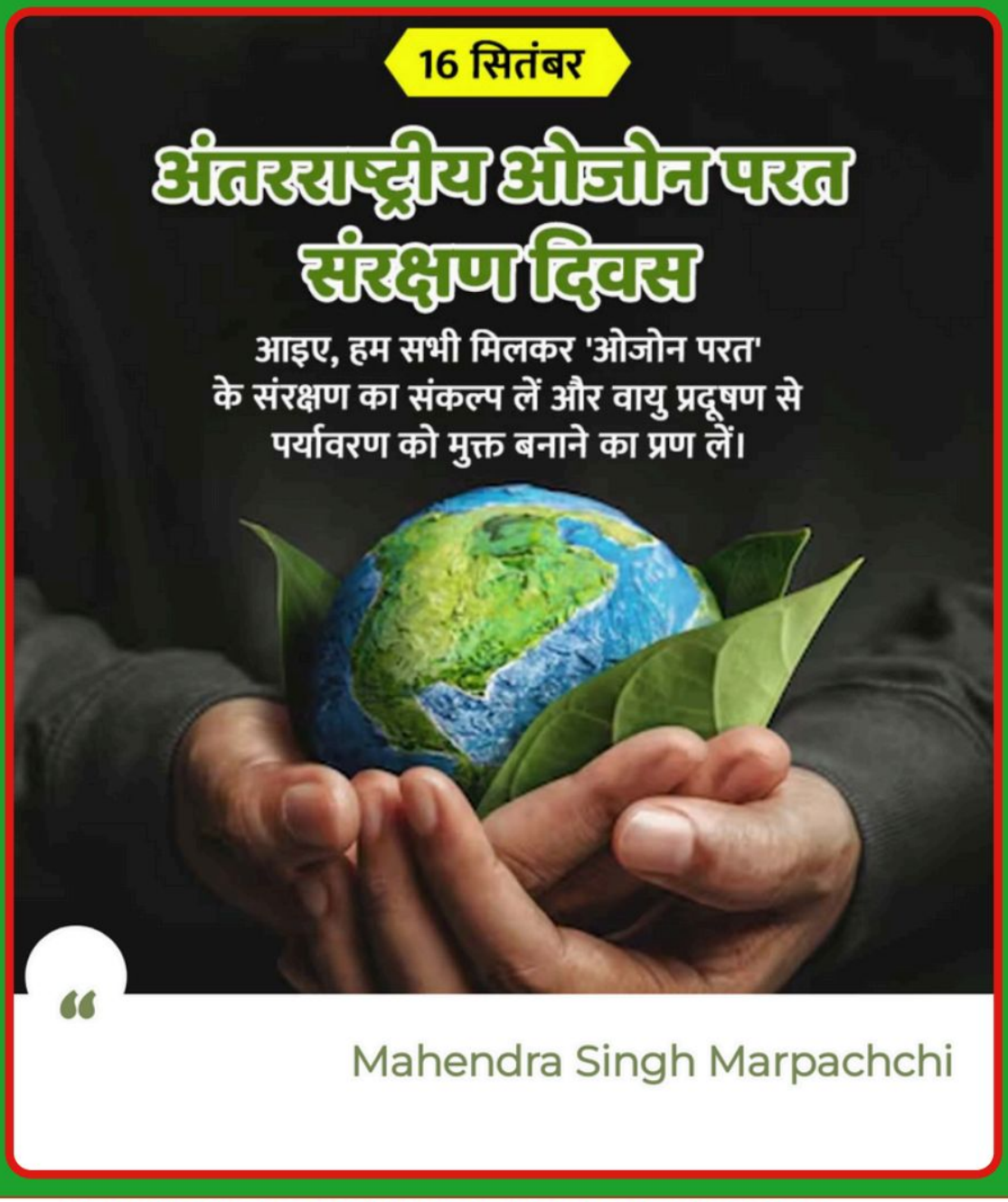

Mahendra Singh Marpachchi

UDYAM REGISTRATION NUMBER UDYAM-CG-11-0005844

KOYTUR TIMES
WWW.KOYTURTIMES.COM

KOYTUR TIMES
www.koyturtimes.com

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
CONTACT $ WHATSAPP NO .
8878810101
KOYTURTIMES@GMAIL.COM

KOYTUR
TIMES
timeskoytur@gmail.com

msmarpachchi@gmail.com
www.koyturtimes.com